

सुगंध-1
कक्षा - 9 हिंदी (द्वितीय भाषा)
सेमिस्टर -1
क्या... कहाँ?

विषय सूची

इकाई	क्रम सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ
I	1.	जिस देश में गंगा बहती है..	गीत	जून	123
	2.	गानेवाली चिड़िया	कहानी	जुलाई	128
	3.	बदलें अपनी सोच	भाषण-लेख	जुलाई	133
	उपवाचक	तारे ज़मीं पर	समीक्षा	आगस्त	138
II	4.	प्रकृति की सीख	कविता	आगस्त	140
	5.	फुटबॉल	संस्मरण	सितंबर	144
	6.	बेटी के नाम पत्र	पत्र	अक्तूबर	148
	उपवाचक	सम्मक्का-सारक्का जातरा	निबंध	अक्तूबर	153



9th CLASS (नवी कक्षा)

सीखने की संप्राप्तियाँ (LEARNING OUTCOMES)

1. जिस देश में गांगा बहती है ...

1. बच्चे देश की सभ्यता, संस्कृति जान सकेंगे ।
2. यथार्थता, सच्चाई और आपस में मिलजुल कर रहने की भावना सीखेंगे ।
3. देश की एकता को आगे बढ़ा सकेंगे ।
4. भारत की गरिमामय संस्कृति से परिचय प्राप्त करेंगे ।

2. गानेवाली चिड़िया

1. छात्र श्रम का महत्व जान सकेंगे ।
2. समाज के प्रति संवेदनशील भावना प्राप्त कर सकेंगे ।
3. छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास कर सकेंगे ।
4. किसानों, श्रमिकों के महत्व के बारे में जान सकेंगे।

3. बदलें अपनी सोच

1. छात्र पर्यावरण के प्रति चिंतन करने की भावना प्राप्त कर सकेंगे ।
2. भाषण कला में निपुण बन सकेंगे।
3. संयुक्त राष्ट्र संघ के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. भविष्य में आनेवाली गंभीर समस्याओं के हल करने की दिशा में सोचने की शक्ति प्राप्त करेंगे।

4. प्रकृति की सीख

1. प्रकृति का संदेश छात्र समझ सकेंगे।
2. प्रसिद्ध कवि सोहनलाल द्विवेदी जी का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. प्रकृति के अंशों का उपयोग करने की दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

5. फुटबॉल

1. छात्र संस्मरण पाठ को अवगत कर सकेंगे।
2. छात्र खेलों के महत्व पर प्रकाश डाल सकेंगे।
3. छात्र खेल और व्यायाम के प्रति रुचि उत्पन्न कर सकेंगे।

6. बेटी के नाम पत्र

1. पत्र लेखन विधि के बारे में परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. स्वतंत्रता संघर्ष कालीन इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. उदात्त भावनाओं को अपने मन में स्थान दे सकेंगे।
4. छात्र सृजनात्मक लेख लिख सकेंगे।

1. जिस देश में गंगा बहती है...



शांति का संदेश जहाँ है,
सबका सम-सम्मान जहाँ है,
गीत खुशी के गाते जहाँ है,
ऐसा भारत और कहाँ है?



प्रश्न

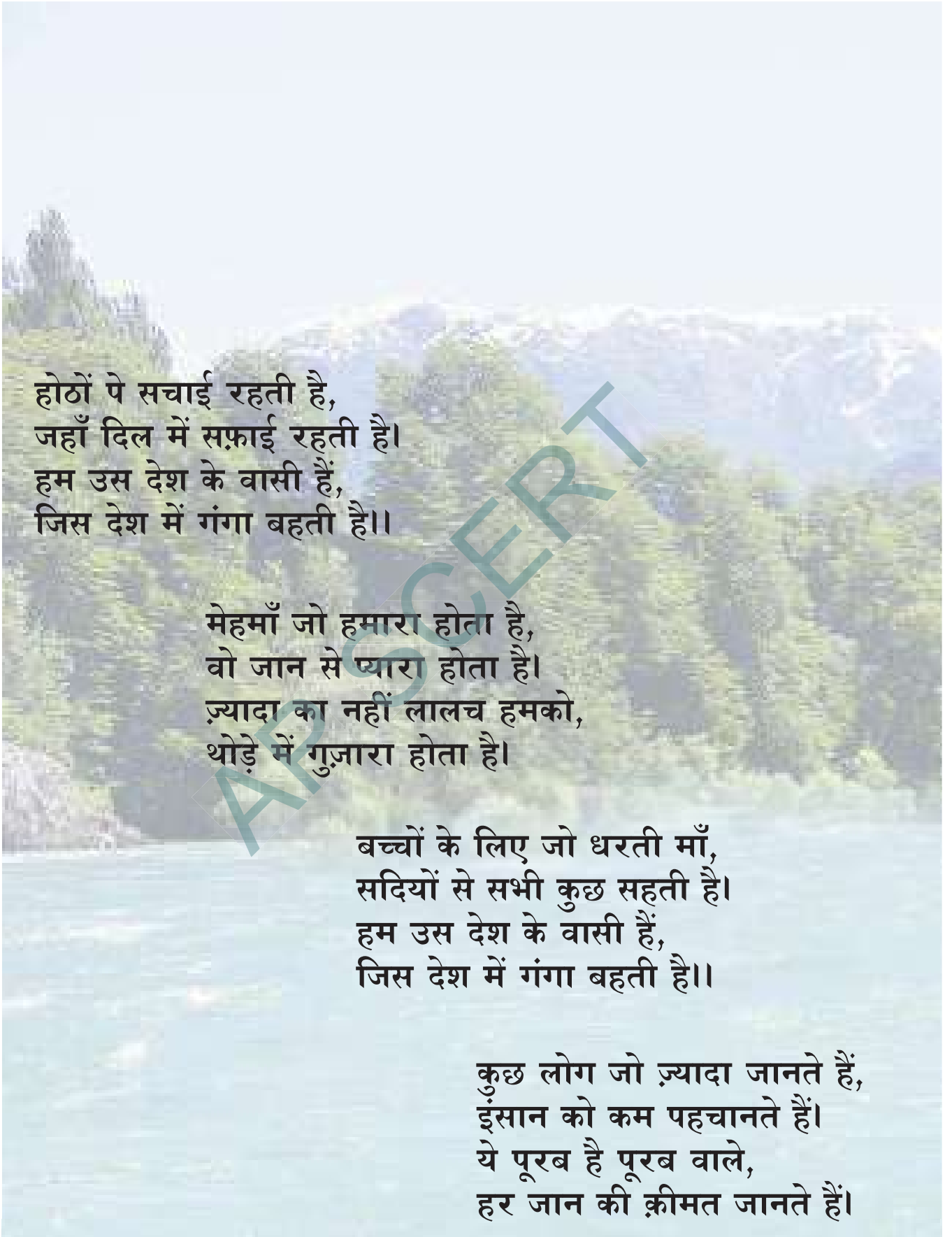
1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. उड़ना, चमकना, खिलना आदि शब्द इस चित्र में किन से जुड़ सकते हैं?
3. इस चित्र से हमें क्या संदेश मिलता है?

उद्देश्य

हमारा भारत महान देश है। यहाँ गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियाँ बहती हैं। भारतवासी सत्य, अहिंसा, धर्म, न्याय, परोपकार, सद्भावना, मानवता आदि महान गुणों की पहचान हैं। इसे बनाये रखना हर भारतीय का कर्तव्य है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

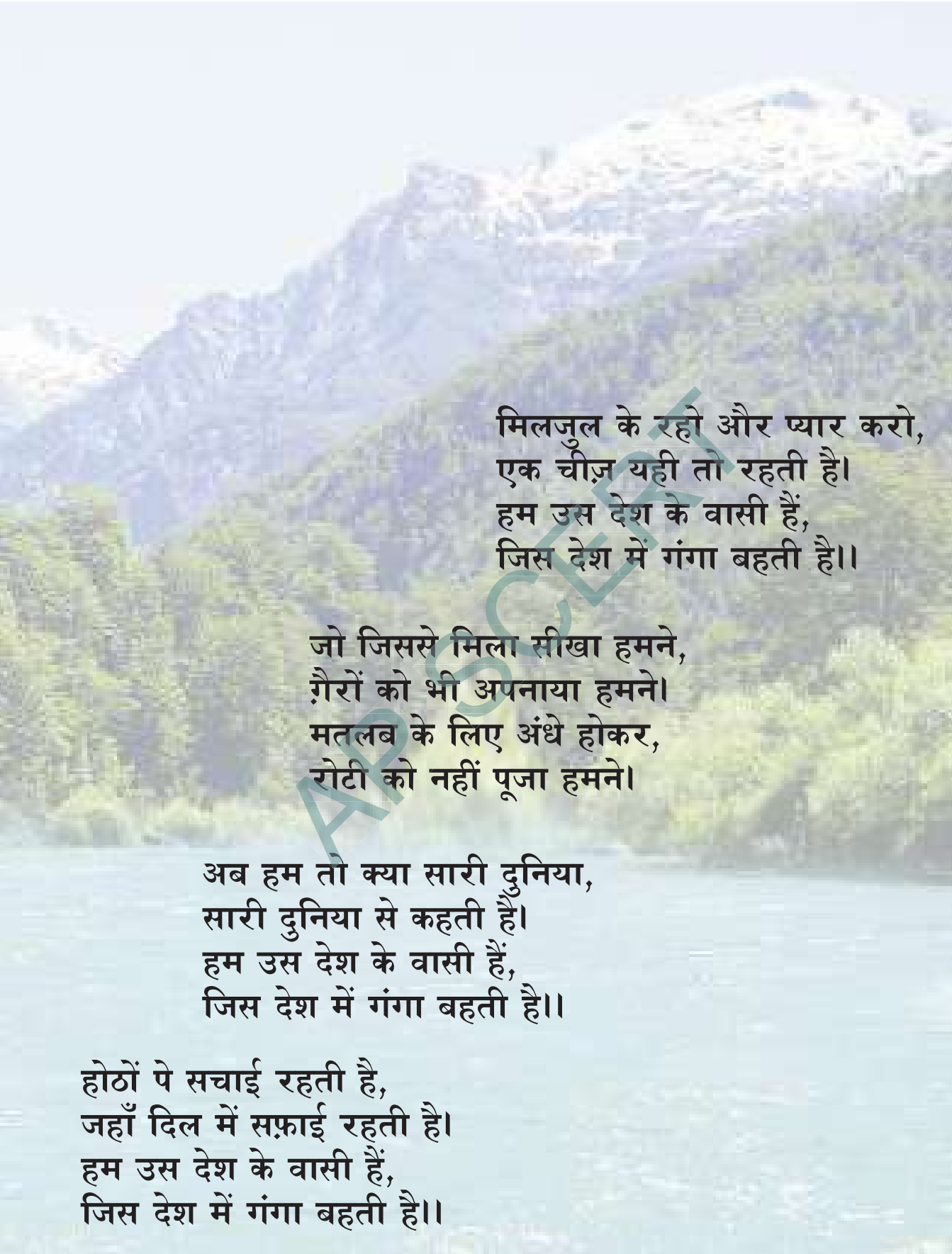


होठों पे सचाई रहती है,
जहाँ दिल में सफ़ाई रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है॥

मेहमाँ जो हमारा होता है,
वो जान से प्यारा होता है।
ज़्यादा का नहीं लालच हमको,
थोड़े में गुज़ारा होता है।

बच्चों के लिए जो धरती माँ,
सदियों से सभी कुछ सहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है॥

कुछ लोग जो ज़्यादा जानते हैं,
इंसान को कम पहचानते हैं।
ये पूरब है पूरब वाले,
हर जान की क़ीमत जानते हैं।



मिलजुल के रहो और प्यार करो,
एक चीज़ यही तो रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है॥

जो जिससे मिला सीखा हमने,
ग़ैरों को भी अपनाया हमने।
मतलब के लिए अंधे होकर,
रोटी को नहीं पूजा हमने।

अब हम तो क्या सारी दुनिया,
सारी दुनिया से कहती हैं।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है॥

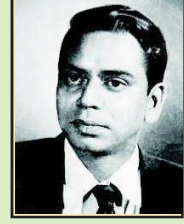
होठों पे सचाई रहती है,
जहाँ दिल में सफ़ाई रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है॥

कवि : शैलेंद्र कुमार

जीवनकाल : 1923 - 1966

विशेषताएँ : कई प्रसिद्ध फिल्मी गीतों की रचना

तीन बार फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित



अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. भारतीयों के बारे में कवि ने क्या कहा है?
2. भारत में बहने वाली कुछ नदियों के बारे में बताइए।

(आ) अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से पहचानकर लिखिए।

मिलजुल के रहो और प्यार करो,
एक चीज़ यही तो रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

1. कविता में कवि क्या करने के लिए कहा है? []
A) झगड़ा करने के लिए B) मिलजुल कर रहने के लिए
C) अकेले रहने के लिए D) रोने के लिए
2. कविता में किस भावना को अपनाने की बात कही गई है? []
A) नफरत को B) गुस्से को C) प्यार को D) डर को
3. कविता का मुख्य संदेश क्या है? []
A) लड़ाई करना B) मिलजुल कर रहना
C) पढ़ाई करना D) खेलना
4. गंगा नदी किस देश में बहती है? []
A) भारत में B) नेपाल में C) चीन में D) जापान में
5. इस अनुच्छेद में कौन-सी चीज़ की बात हो रही है? []
A) नफरत B) प्रेम और एकता C) लड़ाई D) दूरी

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए।

1. गीत में कवि ने मिल-जुल कर रहने के लिए क्यों कहा होगा?
2. हमें अपने मेहमान के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?
3. 'हर जान की क्रीमत जानते हैं।' इसका भाव अपने शब्दों में लिखिए।

(आ) इस गीत का सार अपने शब्दों में लिखिए।

- (इ) देशभक्ति भावना पर चार पंक्तियों की कविता लिखिए।
 (ई) इस गीत में आपको कौनसी बातें बहुत अच्छी लगीं? क्यों?

भाषा की बात

- (अ) उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

यह + में - इसमें उदा- यह उपवन है। इसमें फूल हैं।
 जो + में - जिसमें

- (आ) मुहावरों के भाव बताइए।

जान से प्यारा होना
 मतलब की रोटी पूजना
 मतलब के लिए अंधे होना

- (इ) नीचे दिये गये वाक्यों की वाक्य रचना समझिए।

1. हम भारतवासी हैं। 2. हमारे होठों पर सचाई रहती है। 3. हमारे दिल में सफ़ाई रहती है। 4. हम हर जान की कीमत जानते हैं।	ये वाक्य स्वतंत्र रूप से बने हैं। इनमें किसी दूसरे वाक्य का मेल नहीं है। ऐसे वाक्यों को सरल वाक्य कहते हैं।
1. हम भारत के वासी हैं और भारत देश हमारा है। 2. हमारे होठों पर सचाई रहती है और दिल में सफ़ाई रहती है। 3. हम सब भारतीय हैं इसलिए हम सब एक हैं।	इन वाक्यों में दो सरल वाक्यों का मेल हुआ है। इस तरह दो वाक्यों के मेल से बने वाक्यों को संयुक्त वाक्य कहते हैं।
1. मेहमाँ जो हमारा होता है, वो जान से प्यारा होता है। 2. हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है।	यहाँ सरल वाक्य के साथ उपवाक्य (आश्रित वाक्य) का मेल हुआ है। सरल वाक्य के साथ किसी आश्रित वाक्य का मेल हो तो उसे मिश्रित वाक्य कहते हैं।

- (ई) नीचे दिये गये वाक्यों की वाक्य रचना पहचानिए।

- हम नवीं कक्षा के छात्र हैं।
- हम अपना भविष्य बनायेंगे और देश की सेवा करेंगे।
- जो जितनी मेहनत करेगा वह उतना ही आगे बढ़ेगा।

परियोजना कार्य

किसी एक राष्ट्रीय चिह्न का चित्र उतारकर पाँच वाक्य लिखिए। दीवार पत्रिका पर चिपकाइए।

हिंदी सारे भारत को एकता के सूत्र में बाँधती है।

2. गानेवाली चिड़िया



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. इनकी मेहनत पर अपने विचार बताइए।



उद्देश्य

समाज में किसान व मजदूरों का भी महत्वपूर्ण स्थान है। वे हमारे जीवन के आधार हैं। इनके प्रति स्नेह, प्रेम, सहानुभूति आदि रखना और इनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है। इसके साथ-साथ पशु-पक्षियों का संरक्षण करना भी हमारा धर्म है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

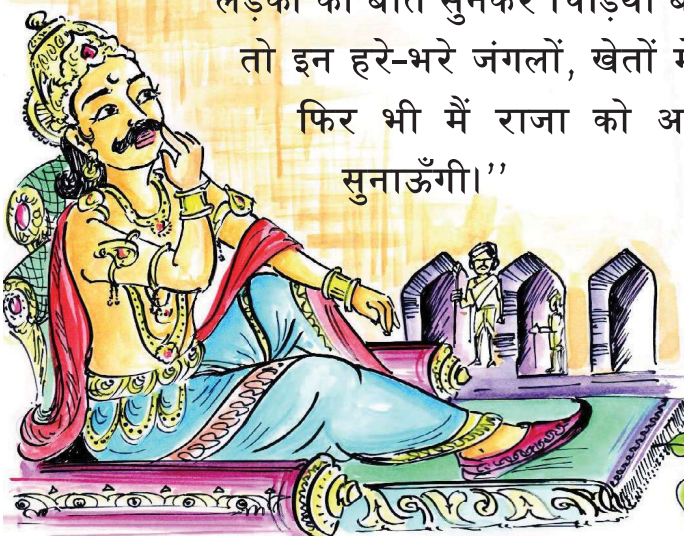
एक राजा था। वह बहुत ही सुंदर महल में रहता था। उसे अपने महल पर बहुत गर्व था। संसार के कोने-कोने से यात्री महल देखने आते थे। यात्रियों ने अपने यात्रा वर्णन में महल की सुंदरता के बारे में कई बातें लिखीं। उन्होंने एक गाने वाली चिड़िया के बारे में भी लिखा था। यह चिड़िया महल के पास वाले जंगल में रहती थी और बहुत मधुर स्वर में गाती थी।

राजा ने इस चिड़िया को कभी नहीं देखा था। यात्रियों द्वारा लिखे गये यात्रा वर्णन पढ़ने से राजा को चिड़िया के बारे में पता चला। राजा ने उस चिड़िया को देखना चाहा। इसीलिए अपने सेवकों को बुलाकर कहा, “तुम लोगों ने कभी मुझे गाने वाली चिड़िया के विषय में नहीं बताया। जाओ! जंगल से उस चिड़िया को पकड़ लाओ। मैं उसका गाना सुनना चाहता हूँ।”

राजा के सेवकों ने भी उस चिड़िया को कभी नहीं देखा था और न ही पूरे दरबार में कोई इस विषय के बारे में कुछ जानता था। चिड़िया को ढूँढ़ने सैनिक जंगल में गये। ढूँढ़ते-ढूँढ़ते उन्हें एक लड़की मिली, जिसने चिड़िया को गाते हुए देखा था। गाने वाली चिड़िया का नाम लेते ही वह बोली, “हाँ-हाँ मैं जानती हूँ उस गाने वाली चिड़िया को। ओह! वह कितने मधुर स्वर में गाती है। जब मैं यहाँ से काम समाप्त करके संध्या समय घर लौटती हूँ तो वह मुझे रास्ते भर अपना मीठा-मीठा गाना सुनाती है। इससे मेरी सारी थकान दूर हो जाती है।”

सैनिकों के अनुरोध पर लड़की ने चिड़िया को आवाज़ दी, “मेरी छोटी सुंदर चिड़िया! हमारे राजा तुम्हारा मधुर संगीत सुनना चाहते हैं। क्या तुम उन्हें अपना गाना सुनाओगी?”

लड़की की बातें सुनकर चिड़िया बोली, “मेरा संगीत तो इन हरे-भरे जंगलों, खेतों में अच्छा लगता है। फिर भी मैं राजा को अपना गाना अवश्य सुनाऊँगी।”



अगले दिन दरबार लगा हुआ था। लड़की सहित सभी उपस्थित थे। तभी उड़ती हुई चिड़िया वहाँ आयी और अपनी मधुर

आवाज़ में गाने लगी। उसका गाना सुन कर सभी मुग्ध हो गए। राजा की आँखों में तो खुशी के आँसू आ गये। वे बोले, “प्यारी चिड़िया! तुम यहीं हमारे पास रहो। जो तुम माँगोगी, वह तुम्हें मिलेगा” चिड़िया बोली, “महाराज! मैं आप के पास रहूँगी। मैंने आपकी आँखों में खुशी के आँसू जो देखे हैं।” चिड़िया के लिए सोने का पिंजरा बनवाया गया। जिस किसी चीज़ की वह इच्छा करती, राजा उसे पूरा करता। सारे राज्य में उस चिड़िया के संगीत की धूम मच गई।

एक दिन चिड़िया को खेतों में मेहनत करने वाले किसानों की याद आयी। उन सबसे मिलने वह खेतों की ओर निकल पड़ी। जब राजा को चिड़िया दिखायी नहीं दी, तो वह दुखी हुआ और अस्वस्थ हो गया। सारी प्रजा राजा की अस्वस्थता के बारे में चिंतित थी। सभी सोचने लगे कि राजा को कैसे बचा लें?

एक दिन राजा ने कमज़ोर आवाज़ में कहा, “संगीत..! संगीत..! चिड़िया का गाना सुनवाओ।” सभी दरबारी सोचने लगे कि चिड़िया को कैसे बुलायें? तभी उन्हें मधुर संगीत सुनायी दिया। वे सब आवाज़ की ओर देखने लगे। चिड़िया अपनी मधुर आवाज़ में गा रही थी। यह देखते ही सबकी जान में जान आ गयी।

किसानों के द्वारा चिड़िया ने राजा की अस्वस्थता के बारे में सुन लिया था। तुरंत वह राजा को अपना संगीत सुनाने आ पहुँची। जैसे-जैसे वह गाना गाती, वैसे-वैसे राजा की अस्वस्थता दूर होती। धीरे-धीरे राजा स्वस्थ हो गये। वे चिड़िया से बोले, “प्यारी चिड़िया मेरे पास लौट आओ। मैं तुम्हें हमेशा राजमहल में रखूँगा।” चिड़िया बोली, “नहीं महाराज! मुझे अपना संगीत मेहनत करने वालों को भी सुनाना है। मैं हर दिन यहाँ आऊँगी। आपको भी अपना संगीत सुनाऊँगी।”

चिड़िया की बातों ने राजा पर गहरा असर डाला। राजा ने कहा, “वाह! तुम महान हो चिड़िया! तुम मज़दूरों और किसानों के लिए राजमहल का सुख त्याग सकती हो, तो क्या मैं उनके लिए कुछ नहीं कर सकता...?” चिड़िया बोली, “क्यों नहीं महाराज! मज़दूरों और किसानों के बारे में सोचना और उनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है। क्योंकि वे हमारे सुखदाता और अन्नदाता हैं।”



अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

- कुछ पक्षियों के नाम बताइए।
- “संगीत मनोरंजन का एक साधन है।” इस के बारे अपने विचार बताइए।

(आ) अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से पहचानकर लिखिए।

भारत सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सन् 1972 में ‘वन्य प्राणी सुरक्षा अधिनियम 1972’ बनाकर सभी राज्यों में वन्य प्राणियों के शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया है एवं वन्य जीवों के स्वच्छंद विचरण के लिए देश के विभिन्न भागों में 69 राष्ट्रीय उद्यानों, 399 अभयारण्यों एवं 35 प्राणी उद्यानों का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही दुर्लभ प्रजाति के वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए प्रोजेक्ट टाइगर जैसी योजनाएँ आरंभ की गयी हैं।

- बाघों की सुरक्षा के लिए कौन-सी योजना आरंभ की गयी हैं? []
A) प्रोजेक्ट लायन B) प्रोजेक्ट टाइगर C) प्रोजेक्ट एलीफेंट D) प्रोजेक्ट डियर
- वन्य प्राणी सुरक्षा अधिनियम क्यों बनाया गया? []
A) जंगल काटने के लिए B) वन्य जीवों की रक्षा के लिए
C) खेती करने के लिए D) सड़क बनाने के लिए
- यदि आप एक घायल जंगली जानवर देखें तो क्या करना चाहिए? []
A) उसे छोड़ देना चाहिए B) उसे परेशान करना चाहिए
C) वन विभाग को सूचना देना चाहिए D) उसका शिकार करना चाहिए
- वन्य जीवों की रक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए? []
A) जंगल काटना चाहिए B) शिकार करना चाहिए
C) पर्यावरण की रक्षा करना चाहिए D) जानवरो को भगाना चाहिए
- इस अनुच्छेद का मुख्य उद्देश्य क्या है? []
A) जानवरों को पकड़ना B) वन्य जीवों की रक्षा करना
C) जंगल काटना D) शहर बनाना

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए।

- मज़दूरों और किसानों की दशा सुधारने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
- राजा ने चिड़िया के लिए सोने का पिंजरा बनवाया था। आपकी नज़र में चिड़िया को पिंजरे में रखना उचित था? अपने उत्तर का कारण बताइए।

3. 'दूसरों के काम आने में ही जीवन का सच्चा सुख निहित है।' इस बारे में अपने विचार बताइए।

(आ) 'गाने वाली चिड़िया' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) कहानी में राजा की सोच में परिवर्तन कैसे आया? इस परिवर्तन के पीछे कौन-सी घटनाएँ जिम्मेदार थीं?

(ई) गीत और संगीत का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। इस पर अपने विचार लिखिए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गए मुहावरों के भाव समझिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. जान में जान आना 2. खुशी के आँसू आना

(आ) अनुच्छेद पढ़िए। रेखांकित शब्दांशों पर ध्यान दीजिए।

राजा ने चिड़िया को प्यार से रखा। चिड़िया को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते थे। चिड़िया का मधुर गान सब को भाता था। चिड़िया का संगीत सुन कर सब मन में यही सोचते कि हे चिड़िया! तुम कितना मधुर गाती हो।

रेखांकित शब्दांश वाक्य में एक शब्द से दूसरे शब्द का संबंध जोड़ते हैं। इस तरह संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं-

कारक - विभक्तियाँ			रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारकों से कीजिए।
कारक	विभक्ति	वाक्य	
कर्ता कारक	- ने	राजा सुंदर महल रहता था।	1. राजा सुंदर महल रहता था। 2. यात्रियों अपने यात्रा वर्णन महल वर्णन किया। 3. राजा चिड़िया कभी नहीं देखा। 4. चिड़िया सोने पिंजरा बनवाया गया। 5. सेवकों लड़की पूछा।
कर्म कारक	- को		
करण कारक	- से, के द्वारा		
संप्रदान कारक	- के लिए, को		
अपादान कारक	- से		
संबंध कारक	- का, के, की		
अधिकरण कारक	- में, पर		
संबोधन कारक	- हे, अरे, अजी		

परियोजना कार्य

किसी एक पक्षी का चित्र उतार कर उसके बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

श्रमिक की प्रसन्नता ही देश की प्रगति है। - कार्ल मार्क्स

3. बदलें अपनी सोच



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. लड़की क्या कर रही होगी?
3. वह क्या सोच रही होगी?



उद्देश्य

‘सर्वे जनः सुखिनो भवन्तु’ इसके लिए पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण आवश्यक है। प्रकृति संरक्षण में हम सब अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभा सकें।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

संयुक्त राष्ट्र संघ में पहली बार ऐसा हुआ। तेरह वर्ष की एक लड़की ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया। किसी के पास भी उसके सवालों का जवाब नहीं था। अपने सवालों से सबको सोचने पर मजबूर करने वाली उस लड़की का नाम युगरत्ना श्रीवास्तव है। भारत की इस लाड़ली पर सबको गर्व है।

सितंबर, 2009 में संयुक्त राष्ट्र संघ में युगरत्ना श्रीवास्तव ने भाषण देते हुए इस तरह कहा- “हिमालय पिघलता जा रहा है। ध्रुवीय भालू मरते जा रहे हैं। हर पाँच में से दो व्यक्तियों को पीने का साफ़ पानी नहीं मिलता है। आज हम उन पेड़-पौधों को खोने के कगार पर हैं, जो लुप्त होते जा रहे हैं। प्रशांत महासागर के पानी का स्तर बढ़ता ही जा रहा है।

क्या हम अपने भविष्य की पीढ़ी को यही देने जा रहे हैं? बिल्कुल नहीं। हमारे पूर्वजों ने हमें स्वच्छ और स्वस्थ ग्रह दिया था और हम क्या कर रहे हैं? हम अपने भविष्य की पीढ़ी को प्रदूषित और बिगड़ी हुई धरती देने जा रहे हैं? क्या ऐसा करना ठीक है? सोचो, ध्यान लगाकर सोचो।



आदरणीय सभाजनो! अब समय आ गया है कि हम कुछ कदम उठायें।

हमें अपनी धरती बचानी होगी। अपने लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी।

यह काम यहाँ नहीं होगा, तो कहाँ होगा? अब नहीं होगा, तो कब होगा? हम नहीं करेंगे, तो कौन करेगा?

हमारा आपसे निवेदन है- “आप हमारी आवाज़ सुनें।” भविष्य के लिए मज़बूत इरादों की ज़रूरत है। मज़बूत नेतृत्व की ज़रूरत है।

हाइटेक समाज बना लेने या बैंकों में

करोड़ों रुपये जमा करने से हम अपनी धरती नहीं बचा सकते।

यहाँ हम पर्यावरण की समस्या सुलझाने के लिए ही एकत्रित नहीं हुए हैं बल्कि लोगों की सोच बदलने के लिए भी एकत्रित हुए हैं।

अब हर बालक को पर्यावरण की शिक्षा के प्रति जागरूक करना होगा। हर कक्षा की किताबों में पर्यावरण के पाठ अवश्य होने चाहिए। विकास को रोकने के लिए मैं नहीं कहती। मैं यह कहना चाहती हूँ- जैवमित्र तकनीकों में बढ़ोत्तरी होनी चाहिए जो सस्ती और अच्छी हो। ऐसे संसाधनों का उपयोग होना चाहिए जो पुनः प्राप्त किये जा सकते हैं।

मैं दुनिया के सभी नेताओं से दो प्रश्न पूछना चाहती हूँ-

क्या पर्यावरणीय समस्याओं की पहचान किसी भौगोलिक, राजनैतिक सीमाओं और आयु समूहों के दायरे में होती है? मेरा उत्तर निश्चित तौर पर नहीं है। इसीलिए तो संयुक्त राष्ट्र संघ है। वे ऐसे मुद्दों पर एक-दूसरे से बातचीत करवायें। इस बातचीत में बच्चों और युवकों की आवाज़ भी शामिल की जाय।

यदि राष्ट्र की सुरक्षा, शांति और आर्थिक विकास ही आप के लिए ज़रूरी है, तो पर्यावरण बदलाव ज़रूरी मुद्दा क्यों नहीं होना चाहिए? मैं आशा करती हूँ कि संयुक्त राष्ट्र संघ मानवीय दृष्टिकोण से सोचेगा। पुरानी बातों को भुलाकर नये कदम उठायेगा। अब हमारे हाथ में केवल वर्तमान और भविष्य हैं। अब हमें कुछ ऐसा करना होगा, जिससे भविष्य का संरक्षण हो।

आदरणीय नेता गण! जब आप कोई नीति बनायें तो हम नादान बच्चों और लुप्त होते जानवरों के बारे में भी सोचें।

महात्मा गाँधी ने कहा था- “धरती के पास सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति करने की क्षमता है। किसी के लालच की नहीं।”

पक्षी आसमान में उड़ता है, मछली पानी में तैरती है, चीता तेज़ी से दौड़ता है लेकिन ईश्वर ने हमें वरदान के रूप में सोचने के लिए बुद्धि दी है। इससे हम परिवर्तन और सुधार दोनों ला सकते हैं। चलो अब हम आगे बढ़ें। अपनी जन्मभूमि को बचा लें... अपने घर को बचा लें... अपनी धरती को बचा लें...

धन्यवाद।”

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. संयुक्त राष्ट्र संघ के बारे में बताइए।
2. युगरत्ना के सवालों के बारे में अपने विचार बताइए।

(आ) अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से पहचानकर लिखिए।

कहाँ से आता है हमारा पानी और फिर कहाँ चला जाता है हमारा पानी? हमने कभी इसके बारे में कुछ सोचा है? सोचा तो नहीं होगा शायद, पर इस बारे में पढ़ा जरूर है। भूगोल की किताब पढ़ते समय जलचक्र जैसी बातें हमें बतायी जाती हैं। बताते समय सूरज, समुद्र, बादल, हवा, धरती फिर बरसात की बूँदें और लो फिर बहती हुई एक नदी और उसके किनारे बसा तुम्हारा, हमारा घर, गाँव या शहर। चित्र के दूसरे भाग में यही नदी अपने चारों तरफ़ का पानी लेकर उसी समुद्र में मिलती दिखाई देती है।

1. नदी का पानी अंत में कहाँ मिलता है? []
A) तालाब में B) झील में C) समुद्र में D) खेत में
2. जलचक्र का क्या अर्थ है ? []
A) पानी का घूमते रहना B) पानी का खत्म होना
C) पानी का जमना D) पानी का उड़ना
3. जलचक्र को बनाए रखने के लिए क्या जरूरी है? []
A) पेड़ लगाना B) जंगल काटना
C) नदी को गंदा करना D) पानी बर्बाद करना

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. पर्यावरण के बिगड़ने से आगामी भविष्य में और कैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं?
2. जल संरक्षण कैसे किया जा सकता है? अपने विचार बताइए।
3. युगरत्ना के स्थान पर आप होते तो कौन-कौन से प्रश्न पूछते?

(आ) इस भाषण-लेख का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

- (इ) युगरत्ना की जगह अगर आप होते तो संयुक्त राष्ट्र संघ में क्या भाषण देते?
- (ई) युगरत्ना के भाषण में तुम्हें कौनसी बात सबसे अच्छी लगी और क्यों?

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ बताकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. संघ
2. ध्रुवीय
3. लुप्त
4. तकनीक
5. वरदान

सही अर्थ वाले शब्द से जोड़ी बनाइए।

पानी	भूमि	धरा	पृथ्वी
इकट्ठा	आशीर्वाद	कृपा	अनुग्रह
धरती	एकत्रित	संचय	जमा करना
वरदान	जल	वारि	नीर

सही अर्थ वाले शब्द के नीचे रेखा खींचिए।

- | | | | | |
|-----------|---|-------|-------|-------|
| 1. मजबूर | = | बाध्य | खुशी | दुख |
| 2. संसाधन | = | स्रोत | खजाना | रुपया |
| 3. पक्षी | = | उड़ान | गगन | पंछी |

(आ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए। रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।

1. हमारे पूर्वजों ने हमें स्वच्छ <u>और</u> स्वस्थ ग्रह दिया।	रेखांकित शब्दों में <u>और</u> , <u>कि</u> , <u>बल्कि</u> , <u>तो</u> आदि शब्द, दो शब्दों या दो वाक्यों को जोड़ते हैं। इस तरह प्रयुक्त होने वाले शब्दों को समुच्चय बोधक कहते हैं।
2. अब समय आ गया है <u>कि</u> हम कुछ क्रदम उठावें।	
3. वर्तमान के लिए ही नहीं, <u>बल्कि</u> भविष्य के लिए भी।	
4. यह काम यहाँ नहीं होगा <u>तो</u> कहाँ होगा।	
1. किसी <u>के पास</u> भी लड़की के सवाल का जवाब नहीं था।	रेखांकित शब्दों में <u>के पास</u> , <u>के ऊपर</u> , <u>के भीतर</u> आदि शब्द स्थान का संबंध प्रकट करते हैं। इन्हें संबंध बोधक कहते हैं।
2. धरती <u>के ऊपर</u> प्रकृति है।	
3. प्रकृति <u>के भीतर</u> जीवन है।	
1. <u>वाह!</u> कितनी सुंदर प्रकृति है।	रेखांकित शब्दों में <u>वाह</u> , <u>हाय</u> , <u>ओह</u> आदि शब्द आश्चर्य का बोध करते हैं। इन्हें विस्मयादि बोधक कहते हैं।
2. <u>हाय!</u> कितना प्रदूषण फैला है।	
3. <u>ओह!</u> यह क्या हो गया।	

(इ) रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित अव्ययों से कीजिए।

(वाह!, के नीचे, और)

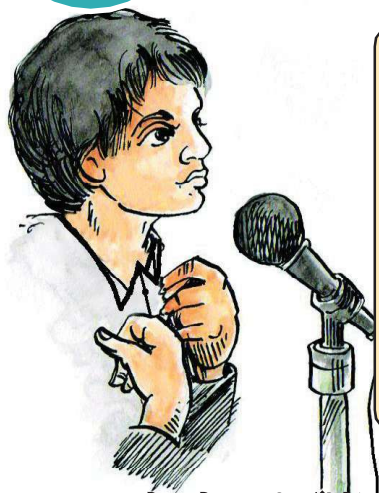
1. जंगल में साधु जानवर खूँखार जानवर रहते हैं।
2. पेड़ उसकी जड़ें होती हैं।
3. मुझे अच्छे अंक मिले।

परियोजना कार्य

पर्यावरण पर दिये गये किसी भाषण लेख का संकलन कीजिए।

पर्यावरण हमारा रक्षा कवच है। इसका संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है।

- सुंदरलाल बहुगुणा



निर्माता-निर्देशक	:	आमिर खान
गीत	:	प्रसून जोशी
संगीत	:	शंकर-अहसान-लॉय
कलाकार	:	आमिर खान, दर्शील सफ़ारी, टिस्का चोपड़ा, विपिन शर्मा, सचेत इंजीनियर।

बच्चे ओस की बूंदों की तरह शुद्ध और पवित्र होते हैं। वे कल के नागरिक हैं। आजकल प्रायः घर-घर से 'टॉपर्स' और 'रैंकर्स' तैयार करने की कोशिश की जा रही है। कई लोग यह नहीं सोचते कि बच्चों के मन में क्या है? वे क्या सोचते हैं? उनके क्या विचार हैं?



इन्हीं प्रश्नों को आमिर खान ने अपनी फिल्म 'तारे ज़मीं पर' में उठाया है। फिल्म की कहानी इस प्रकार है-

आठ वर्षीय ईशान अवस्थी (दर्शील सफ़ारी) का मन पढ़ाई के बजाय कुत्तों, मछलियों और पेंटिंग में लगता है। उसके माता-पिता चाहते हैं कि वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकलता। ईशान घर पर माता-पिता की डाँट खाता है और स्कूल में अध्यापकों की। कोई भी यह जानने की कोशिश नहीं करता कि ईशान पढ़ाई पर ध्यान क्यों नहीं दे रहा है? इसके बजाय वे ईशान को बोर्डिंग स्कूल भेज देते हैं।

खिलखिलाता ईशान वहाँ जाकर मुरझा जाता है। वह हमेशा सहमा और उदास रहने लगता है। उस पर निगाह जाती है 'कला अध्यापक' रामशंकर निकुंभ (आमिर खान) की। निकुंभ सर उसकी उदासी का पता लगाते हैं और उन्हें पता चलता है कि ईशान बहुत प्रतिभाशाली है, लेकिन डिसलेक्सिया की समस्या से पीड़ित है। उसे अक्षरों को पढ़ने में तकलीफ़ होती है। अपने प्यार और दुलार से निकुंभ सर ईशान के अंदर छिपी प्रतिभा सबके सामने लाते हैं।

कहानी सरल है, जिसे आमिर खान ने बेहद प्रतिभाशाली ढंग से परदे पर उतारा है। पटकथा की बुनावट एकदम चुस्त है। छोटे-छोटे भावात्मक दृश्य रखे गये हैं, जो सीधे दिल को छू जाते हैं।

ईशान का स्कूल से भागकर सड़कों पर घूमना, ताज़ी हवा में साँस लेना, बिल्डिंग को कलर होते देखना, फुटपाथ पर रहनेवाले बच्चों को आज़ादी से खेलते देखकर उदास होना, बरफ़ का लड्डू खाना जैसे दृश्यों को देखकर कई लोगों को अपने बचपन की याद ताज़ा हो आती है।

सबसे बड़ी बात यह है कि ईशान के माध्यम से बच्चे में छिपी प्रतिभा सुंदर ढंग से उभारी गयी है। फिल्म के अंत में इसका परिचय ईशान की चित्रकारी से होता है। चित्रकारी प्रतियोगिता में उसे प्रथम पुरस्कार मिलता है। इसी दृश्य में आमिर ने उसकी मासूमियत को अपने चित्र से उभारा है। इस तरह शिष्य अपने अध्यापक की प्रेरणा से किस तरह आगे बढ़ सकता है, इसका प्रमाण ही यह फिल्म है।

ईशान की भूमिका में दर्शील सफ़ारी इस फिल्म की जान है। विश्वास ही नहीं होता कि यह बच्चा अभिनय कर रहा है। मासूम से दिखने वाले इस बच्चे ने भय, क्रोध, उदासी और हास्य के हर भाव को अपने चेहरे से दर्शाया है। शायद इसीलिए उसे संवाद कम दिये गये हैं।

■ प्रश्न:

1. ईशान कैसा बालक है?
2. बच्चों के प्रति निकुंभ सर के विचार कैसे हैं?
3. बच्चों के जीवन में पाठशाला की क्या भूमिका होनी चाहिए?
4. 'तारे ज़मीं पर' समीक्षा का निष्कर्ष क्या है?



4. प्रकृति की सीख



प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. इससे क्या संदेश मिलता है?

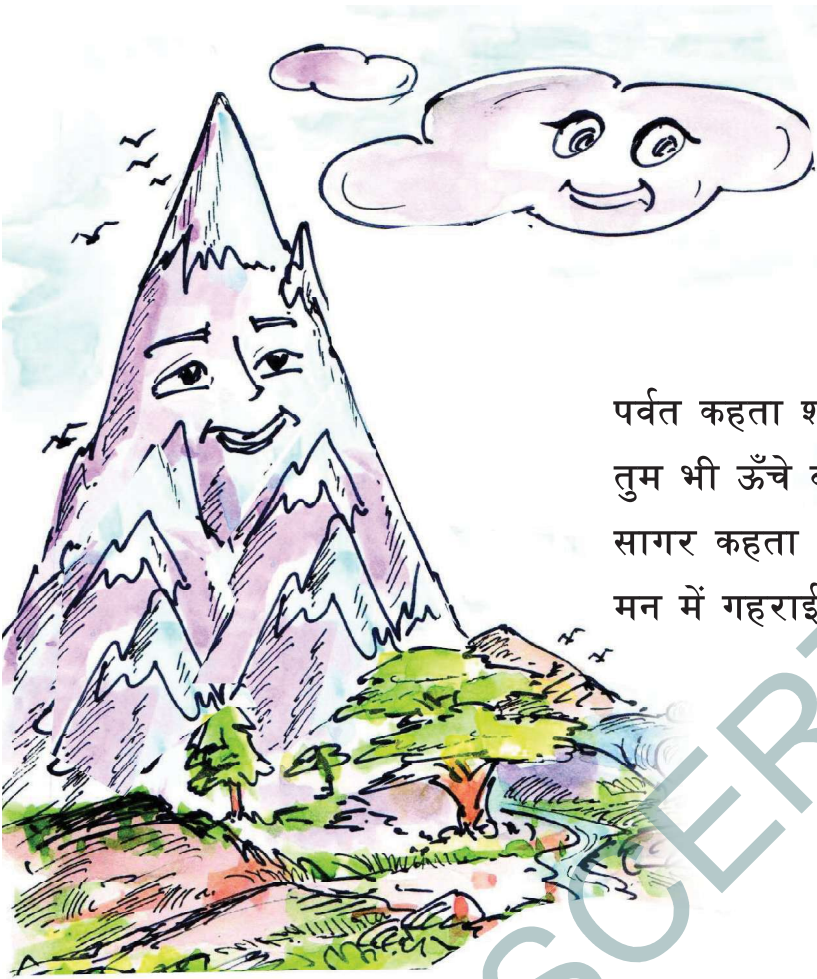


उद्देश्य

प्रकृति के कण-कण में कुछ न कुछ संदेश छिपा होता है। ये पर्वत, नदियाँ, झरने, पेड़ आदि हमसे कुछ कहते हैं। इनके संदेशों से हम जीवन सफल बना सकते हैं।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ का चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।



पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती है,
उठ-उठ गिर गिर तरल तरंग।
भर लो, भर लो अपने दिल में,
मीठे-मीठे मृदुल उमंग।।

पृथ्वी कहती, धैर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।
नभ कहता है, फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।।



कवि : सोहनलाल द्विवेदी
जीवनकाल : 1906-1988
प्रसिद्ध रचना : सेवाग्राम
पुरस्कार : पद्मश्री



अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. नदियाँ खेती के लिए किस प्रकार उपयोगी हैं?
2. ऋतुओं के नियंत्रण में पर्वत कैसे सहायक होते हैं?

(आ) कविता पढ़कर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से पहचानकर लिखिए।

वह पावस का प्रथम दिवस जब,

पहली बूँद धरा पर आई।

अंकुर फूट पड़ा धरती से,

नव-जीवन की ले अँगड़ाई।

1. कविता में किस ऋतु का वर्णन है?

[]

A) ग्रीष्म ऋतु B) पावस ऋतु C) शिशिर ऋतु D) वसंत ऋतु

2. धरती से क्या फूट पड़ा?

[]

A) पानी B) फूल C) अंकुर D) पत्थर

3. “नव-जीवन” का क्या अर्थ है?

[]

A) नया जीवन B) पुराना जीवन
C) कठिन जीवन D) दुखी जीवन

4. बारिश शुरू होने पर किसान क्या करते हैं?

[]

A) खेती शुरू करते हैं B) घर छोड़ देते हैं
C) शहर जाते हैं D) खेलते हैं

5. यदि बारिश का पानी मिले तो हमें क्या करना चाहिए?

[]

A) पानी बर्बाद करना B) पानी बचाना
C) पानी गंदा करना D) पानी फेंकना

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. पर्वत हमें सिर उठाकर जीने के लिए क्यों कह रहा होगा?
2. विपत्तियों का सामना हमें कैसे करना चाहिए?
3. प्रकृति के अन्य तत्व जैसे:- नदियाँ, सूरज, पेड़ आदि हमें क्या सीख देते हैं?

- (आ) कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
 (इ) कविता के भाव से सूक्तियाँ लिखिए।
 (ई) नीचे दी गई पंक्तियों के आधार पर छोटी-सी कविता लिखिए।

हरियाली कहती।
 महकते फूल कहते।
 चहचहाते पक्षी कहते।
 बहती नदियाँ कहती।

भाषा की बात

- (अ) पाठ में आये पुनरुक्त शब्द रेखांकित कीजिए और वाक्य प्रयोग कीजिए।
 जैसे : मीठी-मीठी - बच्चे मीठी-मीठी बातें करते हैं।
 (आ) विपरीत अर्थ लिखिए और वाक्य प्रयोग कीजिए।
 जैसे : न्याय X अन्याय
 हमें अन्याय का विरोध करना चाहिए।
 (धैर्य, हिंसा, शांति, यश, धर्म, गौरव, सत्य)
 (इ) इन शब्दों के बीच का अंतर समझिए और स्पष्ट कीजिए। ऐसे ही तीन शब्द लिखिए।

गहरा - गहराई	स्वतंत्र - स्वतंत्रता
ऊँचा - ऊँचाई	परतंत्र - परतंत्रता
लंबा - लंबाई	नैतिक - नैतिकता
अच्छा - अच्छाई	धार्मिक - धार्मिकता

परियोजना कार्य

सोहनलाल द्विवेदी के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। उनकी कोई एक कविता ढूँढ़कर लिखिए।

सपने देखिए और उन्हें साकार कीजिए।

- ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

5. फुटबॉल



प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. वे क्या कर रहे हैं?
3. एक-दूसरे से क्या कहना चाहते हैं?

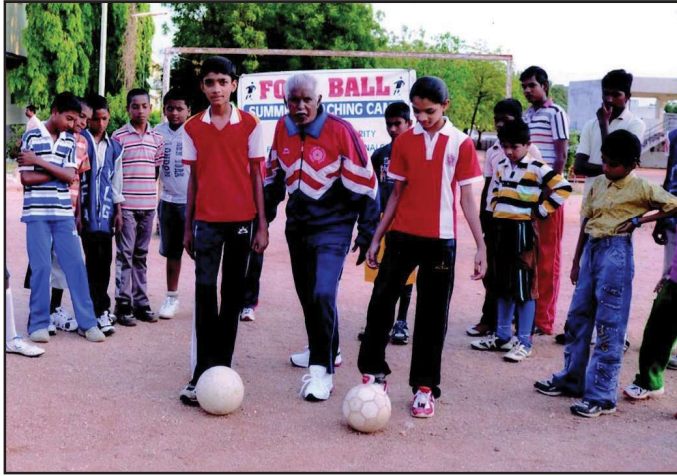


उद्देश्य

खेल हमारे जीवन का अनोखा अंग है। खेलों से मनोरंजन होता है। मानसिक व शारीरिक विकास भी होता है। खेलों से अनुशासन व नियमों का पालन करने की प्रेरणा भी मिलती है। खेल में खेल भावना के साथ-साथ सहयोग, सहनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन आदि की भावनाएँ होती हैं।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।



फुटबॉल प्रायः हमारे सभी स्कूलों में खेला जाता है। फुटबॉल मिला और लेकर खेलने निकल गये। यों भी हम लोग वॉलीबाल तो खेलते ही आये हैं। इस तरह खेलते-खेलते फुटबॉल भी खेलने का शौक पैदा हो गया और फुटबॉल मेरा प्रिय खेल बन गया।

क्या दिन, क्या रात, क्या खेत, क्या मैदान, जब समय मिला, मैं हूँ और मेरा फुटबॉल। शुरू-शुरू में तो मैं अकेला ही फुटबॉल खेलता रहा। तब यह मेरे लिए खिलौना था। बाद में मालूम हुआ कि यह तो सबकी चीज़ है। अनोखी चीज़ है। हाँ! फुटबॉल सबकी चीज़ है। दो टीमों खेलती हैं। हजारों लोग देखते हैं।

फुटबॉल का खेल अकेले एक आदमी का खेल नहीं। यह टीम का खेल है, मिलजुलकर खेलने का खेल है, यह ताक़त और सावधानी का खेल है, यह चुस्ती का खेल है, यह नज़र का खेल है। फुटबॉल पर नज़र, साथियों पर नज़र, विपक्षियों पर नज़र, गोल पर नज़र, लाइन पर नज़र, समय पर नज़र, अपने पर नज़र। यह ऐसा खेल है जिसमें एक की ताक़त सबकी ताक़त है और एक की कमज़ोरी सबकी कमज़ोरी है।



अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. खेलों से किन गुणों का विकास होता है?
2. आपको कौन-सा खेल पसंद है और क्यों?
3. पढ़ाई के साथ-साथ खेलों की आवश्यकता क्यों होती है?

(आ) 'फुटबॉल' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) किसी एक खेल के बारे में लिखिए।

(ई) 'हार-जीत खेल का एक हिस्सा है।' इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

भाषा की बात

(अ) वाक्य पढ़िए और अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद समझिए।

1. लड़का मैदान में फुटबॉल खेलता है।	- विधानार्थक वाक्य
2. आप मैदान में फुटबॉल खेलिए।	- आज्ञानार्थक वाक्य
3. हमें फुटबॉल खेलना चाहिए।	- इच्छार्थक वाक्य
4. आप क्या खेलते हैं?	- प्रश्नार्थक वाक्य
5. समय मिलता तो हम फुटबॉल खेलते।	- संकेतार्थक वाक्य
6. लड़का मैदान में खेलता होगा।	- संदेहार्थक वाक्य
7. वाह! फुटबॉल अच्छा खेल है।	- विस्मयार्थक वाक्य
8. सड़क पर फुटबॉल खेलना मना है।	- निषेधार्थक वाक्य

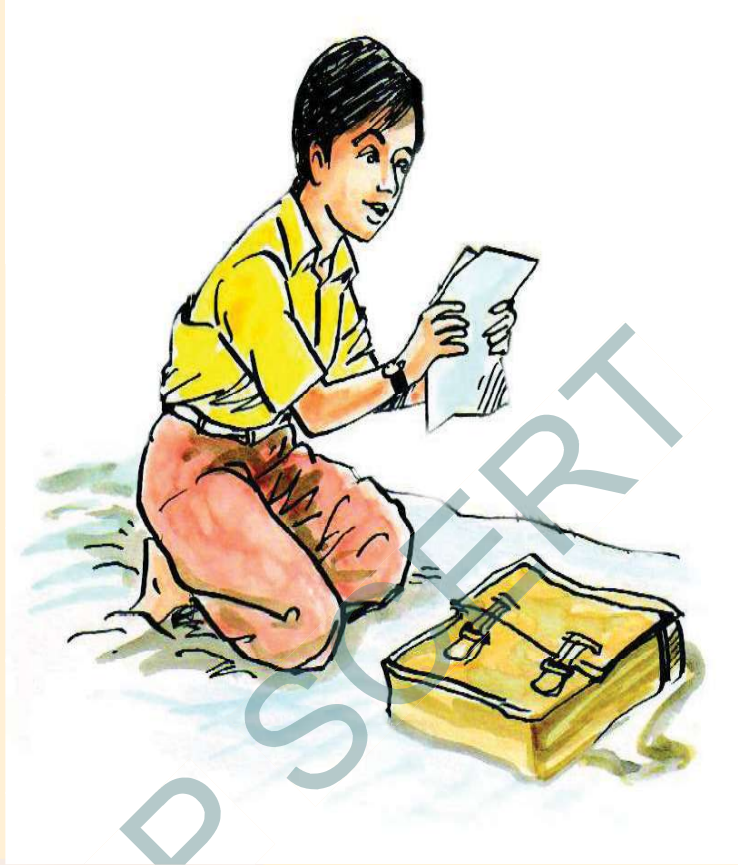
परियोजना कार्य

वर्ग-पहेली में खेलों के नाम छिपे हैं उन्हें पहचानिए। किसी एक के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए।

खो	क्रि	आ	क	टे
खो	के	हॉ	की	नि
फु	ट	बॉ	ल	स

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन और मस्तिष्क का निवास होता है।

6. बेटी के नाम पत्र



प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. बालक क्या कर रहा होगा?
3. हमारे जीवन में पत्रों का क्या महत्व है?



उद्देश्य

अपनी भावनाएँ दूसरों तक पहुँचाने के लिए पत्र भी एक साधन है। इस साधन के द्वारा समुचित व प्रभावी रूप से भावाभिव्यक्ति की जा सकती है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्रों के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

नैनी जेल,

26 अक्टूबर, 1930.

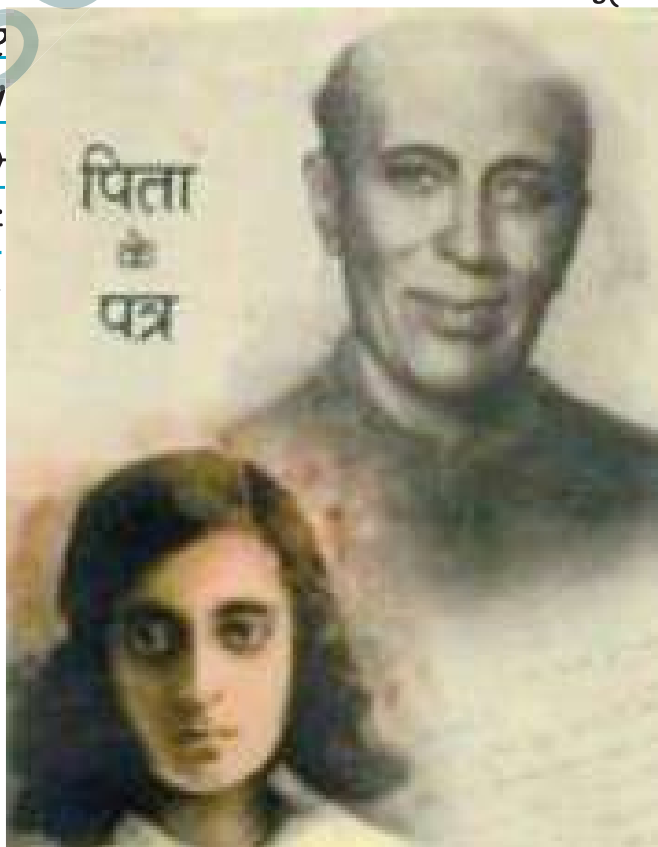
प्रिय इंदिरा,

जन्मदिन पर तुम्हें कई उपहार मिलते रहे हैं। शुभकामनाएँ भी दी जाती रही हैं। पर मैं इस जेल में बैठा तुम्हें क्या उपहार भेज सकता हूँ। हाँ, मेरी शुभकामनाएँ सदा तुम्हारे साथ रहेंगी।

क्या तुम्हें याद है कि 'जोन ऑफ आर्क' की कहानी तुम्हें कितनी अच्छी लगी थी? तुम स्वयं भी तो उसी की तरह बनना चाहती थी। पर साधारण पुरुष तथा स्त्रियाँ इतने साहसी नहीं होते। वे तो अपने प्रतिदिन के कामों, बाल-बच्चों तथा घर की चिंताओं में ही फँसे रहते हैं। परंतु एकसमय ऐसा आ जाता है कि किसी महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी लोगों में असीम उत्साह भर जाता है। साधारण पुरुष वीर बन जाते हैं और स्त्रियाँ वीरांगनाएँ।

आजकल हमारे भारत के इतिहास का निर्माण हो रहा है। बापू ने भारतवासियों के दुखों को दूर करने के लिए आंदोलन छेड़ा है। मैं और तुम बहुत ही भाग्यशाली हैं कि यह आंदोलन हमारी आँखों के सामने हो रहा है और हम भी इसमें कुछ भाग ले रहे हैं। एक महान उद्देश्य हमारे सामने है और इसकी पूर्ति के लिए बहुत कुछ करना है।

अब सोचना यह है कि इस महान आंदोलन में हमारा कर्तव्य क्या है इसमें हम किस तरह भाग लें परंतु जो कुछ भी हम



करें, हमें इतना अवश्य स्मरण रखना चाहिए कि उससे हमारे देश को हानि न पहुँचें। कई बार हम संदेह में भी पड़ जाते हैं कि हम क्या करें, क्या न करें। यह निश्चय करना कोई सरल कार्य नहीं है। जब भी तुम्हें ऐसा संदेह हो तो ठीक बात का निश्चय करने के लिए मैं तुम्हें एक छोटा-सा उपाय बताता हूँ। तुम ऐसा कोई काम न करना, जिसे दूसरों से छिपाने की इच्छा तुम्हारे मन में उठे। किसी बात को छिपाने की इच्छा तभी होती है, जब तुम कोई ग़लत काम करती हो। बहादुर बनो और सब कुछ स्वयं ही ठीक हो जाएगा। यदि तुम बहादुर बनोगी तो तुम ऐसी कोई बात नहीं कहोगी, जिससे तुम्हें डरना पड़े या जिसे करने में तुम्हें लज्जित होना पड़े।

तुम्हें यह तो मालूम ही है कि बापू जी के नेतृत्व में स्वतंत्रता का जो आंदोलन चलाया जा रहा है उसमें छिपा रखने जैसी कोई बात नहीं है। हम तो सभी काम दिन के उजाले में करते हैं। अच्छा बेटी। अब विदा।

भारत की सेवा के लिए तुम बहादुर सिपाही बनो, यही मेरी शुभकामना है।



तुम्हारा पिता,
जवाहर लाल

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पत्रों की हमारे जीवन में क्या भूमिका होती है?
2. अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हमें क्या करना चाहिए?
3. “मैं और तुम बहुत भाग्यशाली हैं।” नेहरू जी ने ऐसा क्यों कहा होगा?

(आ) पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) बहादुरी से संबंधित कोई छोटी सी कहानी लिखिए।

(ई) देश की रक्षा में तत्पर बहादुर सिपाहियों के योगदान के बारे में लिखिए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गए एकवचन और बहुवचन के रूप समझिए।

उपहार - उपहार	पुस्तक - पुस्तकें
राजा - राजा	शुभकामना - शुभकामनाएँ
कवि - कवि (कविजन)	समिति - समितियाँ
पक्षी - पक्षी (पक्षीवृंद)	कहानी - कहानियाँ
गुरु - गुरु (गुरुजन)	ऋतु - ऋतुएँ
लड़का - लड़के	बहू - बहूएँ

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों से कीजिए।

(खेद, बधाई, शुभकामनाएँ, आशीर्वाद)

1. नानी ने अपनी नवासी को जीती रहो बेटा कहकर दिया।
2. आपको जन्मदिन की।
3. खेल में आपकी जीत हुई इसके लिए आपको हो।
4. रुकावट के लिए है।

परियोजना कार्य

बाल अधिकार के बारे में जानकारी प्राप्त करके एक सूची बनाइए।

जो पुस्तकें तुम्हें सबसे अधिक सोचने के लिए विवश करती हैं, वे तुम्हारी सबसे बड़ी सहायक हैं।
- पं. जवाहर लाल नेहरू

भारतीय संस्कृति विश्व में विशेष स्थान रखती है। यहाँ सभी धर्मों, जातियों के लोग मिलजुलकर रहते हैं। इसका एक उदाहरण है- सम्मक्का-सारक्का जातरा। यह एक जनजातीय मेला है। वरंगल जिले के सम्मक्का-सारलम्मा ताडवाई मंडल के मेडारम गाँव में इसे धूम-धाम से मनाते हैं।

यह वरंगल से लगभग 110 किलोमीटर दूर है। सम्मक्का-सारलम्मा ताडवाई मंडल के घने जंगलों व पहाड़ों में स्थित मेडारम में इस ऐतिहासिक जातरा का आयोजन किया जाता है। विश्वास है कि समस्त जनजातीय लोगों की देवी सम्मक्का-सारक्का अत्यंत महिमावान है। विविध प्राँतों से लोग यहाँ पर आकर वन देवता के रूप में सम्मक्का-सारक्का की पूजा करते हैं। यह यहाँ की सबसे बड़ी जनजातीय जातरा है। यह जातरा पूरी तरह से जनजातीय रीति-रिवाजों के अनुसार आयोजित की जाती है। सन् 1996 में आंध्र प्रदेश राज्य सरकार ने इस जातरा को राज्य त्यौहार के रूप में गौरवान्वित किया। इतना ही नहीं, सरकार ने यहाँ के जनजाति लोगों के अनुरोध पर वर्ष 2013 में ताडवाई मंडल का नाम “सम्मक्का-सारलम्मा ताडवाई” मंडल के रूप में बदल दिया।



12वीं शताब्दी में तत्कालीन करीमनगर जिले के जगित्याल प्रांत के पोलवासा के जनजातीय शासक मेडाराजू की इकलौती पुत्री सम्मक्का का विवाह मेडारम के शासक पगिडिद्दा राजू के साथ हुआ। इस दंपति को सारलम्मा (सारक्का), नागुलम्मा और जंपन्ना नामक तीन संतान हुई। राज्य विस्तार की आकांक्षा से काकतीय नरेश प्रथम प्रतापरुद्र ने पोलवासा पर आक्रमण किया था। उनके आक्रमण के कारण मेडाराजू मेडारम से भागकर अज्ञात में रहने लगे। मेडारम के शासक कोया जाति के नरेश पगिडिद्दा राजू काकतीय सामंत के रूप में रहने लगे। किंतु अकाल के कारण वे काकतीय नरेश को कर देने में विफल हुए। काकतीय नरेश इस पर नाराज़ हो गए। अतः प्रथम प्रतापरुद्र ने अपने महामंत्री युगंधर के साथ माघ पूर्णिमा के दिन मेडारम पर आक्रमण कर दिया।

सांप्रदायिक ढंग से अस्त्र-शस्त्र धारण कर पगिडिद्दा राजू सम्मक्का, सारक्का, नागुलम्मा, जंपन्ना, गोविंदराजू अलग-अलग प्रांतों से गोरिल्ला युद्ध आरंभ कर वीरता से लड़ते हैं। किंतु प्रशिक्षित और बहुसंख्यक काकतीय सेना के आक्रमण से मेडाराजू, पगिडिद्दा राजू, सारलम्मा, नागुलम्मा, गोविंदराजू युद्ध

में वीरगति प्राप्त करते हैं। जंपन्ना संपेंगा नहर के जल में समाधि लेते हैं। तभी से संपेंगा वागु (छोटी नदी) जंपन्ना वागु के नाम से प्रसिद्ध हो गई। इन सब घटनाओं से क्रुद्ध सम्मक्का काकतीय सेना पर रणचंडी के समान टूट पड़ती है और वीरता के साथ युद्ध करती है। जनजातीय स्त्री की युद्ध कला देखकर प्रतापरुद्र आश्चर्यचकित हो जाते हैं। कहा जाता है कि अंत में शत्रुओं के हाथों घायल सम्मक्का युद्ध भूमि से चिलुकल गुट्टा की ओर जाती हुई अदृश्य हो जाती है। उसकी खोज में गयी सेना को उस प्रांत में बांबी के पास हल्दी, कुंकुम की भरिणी मिलती है। उसी को सम्मक्का मानकर उस दिन से हर दो साल में एक बार माघ पूर्णिमा के दिन सम्मक्का-सारक्का जातरा बड़े ही वैभव के साथ आयोजित की जाती रही है।

जातरा के पहले दिन कन्नेपल्ली से सारलम्मा की सवारी लायी जाती है। दूसरे दिन चिलुकल गुट्टा में भरिणि के रूप में सम्मक्का को प्रतिष्ठापित किया जाता है। देवी की प्रतिष्ठापना के समय भक्तजनों की भीड़ उमड़ पड़ती है। यह भीड़ किसी कुंभ मेले से कम नहीं होती। इसीलिए इस जातरा को राज्य का कुंभमेला कहा जाता है। तीसरे दिन दोनों माता देवियों को आसन पर प्रतिष्ठापित करते हैं। चौथे दिन देवियों का आह्वान होता है। पुनः दोनों देवियों को युद्ध स्थल की ओर ले जाया जाता है। पारंपरिक तौर से चले आ रहे जनजातीय पुरोहित ही यहाँ के पुरोहित होते हैं। अपनी इच्छाओं को पूरा करने की कामना करते भक्तजन देवी को सोना (गुड़) नैवेद्य रूप में चढ़ाते हैं। इस जातरा का इतिहास लगभग नौ सौ वर्ष पुराना है। प्रतिवर्ष भक्तों की संख्या और इसकी ख्याति बढ़ती ही जा रही है। इस जातरा से सामाजिकता और देश के प्रति अपने आपको समर्पित करने की भावना जागृत होती है।



प्रश्न

1. आंध्र प्रदेश सरकार ने सम्मक्का-सारक्का जातरा को किस तरह गौरवान्वित किया?
2. इस जातरा को तेलंगाणा राज्य का कुंभमेला क्यों कहा जाता है?
3. सम्मक्का-सारक्का के जीवन से क्या संदेश मिलता है?

शब्दकोश

अपनाना	=	తనకనుకూలముగా చేసికొనుట, to own	हमें अच्छे गुण अपनाना चाहिए।
अरणी	=	యజ్ఞములో అగ్ని రాజేయటానికి ఉపయోగించునది, a wooden drill used for kindling fire	यज्ञ में अरणी की लकड़ी का उपयोग किया जाता है।
अक्सर	=	తరచుగా, usually	अक्सर मैं अपने मामा के घर जाता हूँ।
अंतर	=	భేదము, difference	बेटा और बेटी में अंतर नहीं करना चाहिए।
अभिवादन	=	వందనము, salutation	शिष्य गुरुजी को अभिवादन करते हैं।
अनुशासन	=	క్రమశిక్షణ, discipline	छात्रों को अनुशासन बनाये रखना चाहिए।
अनुरोध	=	విన్నపము, request	मैंने छुट्टी के लिए अनुरोध किया।
आँसू	=	కన్నీరు, tears	दुःख में आँखों से आँसू बहते हैं।
असर	=	ప్రభావము, effect	बुरे कार्यों से बुरा असर पड़ता है।
असार	=	సాధనము, unfulfilled	असार विषयों से समय व्यर्थ होता है।
आश्वासन	=	తోడ్పడుట, assurance	माँ, बच्चे को आश्वासन देती है।
इंसान	=	మనిషి, human being	भला इंसान दुनिया में अच्छा नाम कमाता है।
इच्छा	=	కోరిక, desire, wish	मनुष्य की इच्छाएँ अनंत हैं।
इलाज	=	చికిత్స, treatment	डॉक्टर इलाज करते हैं।
इरादा	=	నిశ్చయము, intention	दृढ़ इरादा हर काम आसान बनाता है।
इतिहास	=	చరిత్ర, history	भारत के इतिहास में कई राजा हुए हैं।
इबादत	=	పూజ, worship	सदा भगवान की इबादत करो।
ईमानदार	=	సమృథము, honesty	राजू ईमानदार लड़का है।
ईदगाह	=	ప్రార్థనాస్థలము, prayer place	ईदगाह में नमाज़ पढ़ी जाती है।
उमंग	=	ఉల్లాసము, aspiration	स्वतंत्रता की लड़ाई में सभी में खूब उमंग थी।
उजाला	=	నిర్మలమగు, ప్రకాశించు, bright	दिन में उजाला होता है।
उल्लास	=	ఆనందము, delight	त्यौहार के दिन सभी में उल्लास भर जाता है।
उपेक्षा	=	ఉపేక్షించు, neglected	हमें किसी की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

उपहार	= కానుక, gift
उपस्थित	= హాజరుఅగుట, present
उन्नति	= అభివృద్ధి, progress
उद्योग	= పరిశ్రమ, industry
उपभोक्ता	= వినియోగదారుడు, consumer
उपभोग	= వినియోగం, consume
ओझल	= అదృశ్యమగుట, disappear
कगार	= ఎత్తైన దరి, to suffer
क्रदम	= అడుగు, foot step
कहावत	= సామెత, proverb
कारनामा	= ఎవరైనా చేసినపని, achievement
कोख	= గర్భము, womb
गायब	= అదృశ్యమగుట, disappear
गैर	= ఇతరులు, others
गुजारा	= కాలముగడుపుట, livelihood
गाँठ	= ముడి, knot
ग्राहक	= వినియోగదారుడు, consumer
घोषणा	= ప్రకటన, announcement
घटिया	= నీచమైన, worst
चेतावनी	= హెచ్చరిక, warning
चौकोर	= నాలుగ్కోణములు, four angled
चेहरा	= ముఖము, face
चिरायु	= దీర్ఘాయు, long-lived
चुनाव	= ఎన్నిక, selection
चपरासी	= నౌకరు, peon

जन्मदिन के दिन **उपहार** मिलते हैं।
 कक्षा में सभी बच्चे **उपस्थित** थे।
 देश की **उन्नति** नागरिक के हाथों में होती है।
 घरेलू **उद्योगों** से रोजगार की समस्या हल होती है।
 सामान का उपयोग करने वाला **उपभोक्ता** कहलाता है।
 उपभोक्ता वस्तु का **उपभोग** करता है।
 थोड़ी देर पहले रोहित यहाँ से **ओझल** हो गया।
 पर्यावरण को प्रदूषण की **कगार** से दूर करना होगा।
 आगे **क्रदम** बढ़ाने वाले पीछे मुड़कर नहीं देखते।
कहावत से भाषा में चमत्कार उत्पन्न होता है।
 भारत ने दुनिया में कई **कारनामे** कर दिखाये हैं।
 हम माँ की **कोख** से जन्म लेते हैं।
 धूप को देखकर अंधेरा **गायब** हो जाता है।
 हमें **गैरों** को भी अपनाना चाहिए।
 काम करने पर ही **गुजारा** हो सकता है।
 शेखर ने अपने गुरुजी की बात **गाँठ** बाँध ली।
ग्राहक सामान खरीद रहे हैं।
 पाठशाला में छुट्टियों की **घोषणा** हुई।
घटिया कार्य निंदनीय होते हैं।
 पुलिस ने अपराधियों को **चेतावनी** दी।
 हमारे घर का आकार **चौकोर** है।
 नरेश के **चेहरे** पर चोट लगी है।
 गुरुजी ने शिष्य को **चिरायु** होने का आशीर्वाद दिया।
 हमेशा अच्छी चीज़ का **चुनाव** करना चाहिए।
 कार्यालय में **चपरासी** का कार्य महत्वपूर्ण होता है।

చునౌతీ	= సవాలు, challenge
జరూరత	= అవసరము, need
జాగరూక	= సావధానముగా ఉండుట, alert
జలపాన	= అల్పాహారము, breakfast
తలాశ	= వెతుకుట, to search
తృషా	= దాహం, thirsty
తేజ	= చురుకు, sharp
తैరాకీ	= ఈత, swimming
తకనా	= అలసిపోవుట, to tired
దుగునా	= రెట్టింపు, double
దాయరా	= హద్దు, limits
దుఆ	= దీవెన, blesses
ధరా	= భూమి, land
ధీరజ	= ధైర్యముగలవాడు, courage
నేతృత్వ	= నాయకత్వం, leadership
నిరంతర	= ఎల్లప్పుడు, continuous
నిశ్చయ	= సంకల్పము, decision
నియుక్తి	= నియామకము, appointment
నగరపాలికా	= మున్సిపాలిటీ, municipality
పహచాన	= గుర్తింపు, recognition
పిఘలనా	= కరుగుట, melting
పూర్వజ	= పూర్వీకులు, forefather
ప్రదూషణ	= కాలుష్యము, pollution
పరివర్తన	= మార్పు, change

లక్ష్మీబాई ने अंग्रेजों को **चुनौती** दी।
 साहिती को दस रुपये की **जरूरत** है।
 हमें **जागरूक** उपभोक्ता बनना चाहिए।
 पिताजी **जलपान** करने के बाद काम पर चले गये।
 पुलिस को चोर की **तलाश** है।
 शिक्षा की **तृषा** कभी नहीं मिटती।
 लड़का पढ़ाई में बहुत **तेज** है।
 राजू की **तैराकी** देखने लायक है।
 लक्ष्य प्राप्त करने से पहले **थकना** मना है।
 प्रोत्साहन से काम करने में **दुगुना** उत्साह मिलता है।
 हमें अपना **दायरा** ध्यान में रखकर काम करना चाहिए।
 बुजुर्गों की **दुआ** लेनी चाहिए।
 हमारी **धरा** हमेशा हरी-भरी रहनी चाहिए।
 हर काम **धीरज** के साथ करना चाहिए।
 गांधी जी के **नेतृत्व** में स्वतंत्रता आंदोलन चला।
 ज्ञान का प्रवाह **निरंतर** चलता रहता है।
 दृढ़ **निश्चय** करने वाले पीछे मुड़कर नहीं देखते।
 सरकार अध्यापकों की **नियुक्ति** करती है।
 आंध्र प्रदेश में कई **नगरपालिकाएँ** हैं।
 वोटर कार्ड हमारा **पहचान** पत्र है।
 हिमालय का **पिघलना** जारी है।
 हमारे **पूर्वज** महान हैं।
प्रदूषण से पर्यावरण बिगड़ता जा रहा है।
 समाज में **परिवर्तन** की आवश्यकता है।

परंतु	= కాని, but
प्रफुल्लित	= సంతోషించుట, happy
प्रेरणा	= ప్రేరణ, inspiration
परवाह	= లక్ష్యపెట్టుట, concern
प्रयास	= ప్రయత్నము, effort
पक्षपात	= నిష్పक्षపాతము, partiality
परसों	= ఎల్లుండి, after tomorrow
प्याला	= పాత్ర, cup
प्यास	= దప్పిక, thirst
पीढ़ी	= తరము, generation
प्रशासन	= కార्यనిర్वाह, administration
पैगाम	= సందేశము, a message
प्रामाणिक	= నమ్మకము, authentic
फुदकना	= ఎగురుట, to hop
फँसना	= చిక్కుకొనుట, to be entrapped
फर्ज	= బాధ్యత, responsibility
बढ़ोतरी	= వృद्धि, progress
बदलाव	= మార్పు, change
बेहोश	= స్పృహకోల్పోవుట, unconscious
बाँध	= ఆనకట్ట, dam
बढ़िया	= చాలా గొప్పది, excellent
भेंट	= కానుక, gift
भाँति	= ఇలా, వలె, like
भाईचारा	= సౌభ్రాతృత్వము, brotherhood
माँग	= కోరిక, demand
मुलाकात	= కలయిక, meeting

वह मेहनत कर सकता है, **परंतु** आलसी है।
 रवि अपने मित्र को देखकर **प्रफुल्लित** हो उठा।
 मनुष्य का आत्मविश्वास ही उसकी सच्ची **प्रेरणा** है।
 हमें हर किसी की **परवाह** करनी चाहिए।
 हमें सदा **प्रयास** करना चाहिए।
 हमें किसी के साथ **पक्षपात** नहीं करना चाहिए।
 मेरा मित्र **परसों** विजयवाड़ा जाने वाला है।
 मेज पर गरम चाय का **प्याला** है।
 गर्मियों में ज्यादा **प्यास** लगती है।
 हर **पीढ़ी** को पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए।
 अच्छे **प्रशासन** की जिम्मेदारी सरकार पर होती है।
 संसार के सभी धर्म शांति का **पैगाम** फैलाते हैं।
 प्रमाण पत्र **प्रामाणिक** होना चाहिए।
 चिड़िया का **फुदकना** अच्छा लगता है।
 हमें बुरी आदतों में नहीं **फँसना** चाहिए।
 हमें अपना **फर्ज** निभाना चाहिए।
 जनसंख्या में **बढ़ोतरी** होती जा रही है।
 समय के साथ मनुष्य में **बदलाव** आते रहते हैं।
 लड़का कमजोरी के कारण **बेहोश** होकर गिर पड़ा।
 नागार्जुनसागर बड़ा **बाँध** है।
 परीक्षा में अच्छे अंक लाना **बढ़िया** बात है।
 भक्त भगवान को **भेंट** चढ़ाते हैं।
 रामू विद्रोहि की **भाँति** विचार करने लगा।
 भारत में सभी धर्मावलंबी **भाईचारे** से रहते हैं।
 किसान बीज और खाद की **माँग** कर रहे हैं।
 प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से **मुलाकात** की।

मासूम	=	अमాయकपु, innocent
मजबूर	=	विपक्षदैन, helpless
मतलब	=	ఉద్దేశము, purpose
मुग्ध	=	ముగ్ధుడగుట, fascinate
मृदुल	=	సున్నితము, smooth
मछुआरा	=	మత్స్యకారుడు, fisherman
माप-तोल	=	తునికలు కొలతలు, weight & measurements
राजनैतिक	=	రాజనైతిక, political
यशस्वी	=	కీర్తిగలవాడు, glorious
रोज़ा	=	ఉపవాసము, fasting
लुप्त	=	అదృశ్యమైపోవుట, disappeared
लज्जित	=	సిగ్గుపడిన, shamed
लालच	=	దురాశ, greediness
सिर्फ	=	కేవలం, only
वलयित	=	చుట్టుముట్టబడిఉన్న, ringed
व्यवस्था	=	ఏర్పాటు, system
शिकायत	=	ఫిర్యాదు, complaint

छोटे बच्चे **मासूम** होते हैं।

हमें किसी को **मजबूर** नहीं करना चाहिए।

अपने **मतलब** के लिए दूसरों का बुरा मत कीजिए।

संगीत मंत्र **मुग्ध** करता है।

मृदुल भाव हृदय को छू जाते हैं।

मछुआरा मछली पकड़ता है।

वस्तु लेने से पहले **माप-तोल** कर लेना चाहिए।

भारत-पाक की सीमा **राजनैतिक** विषय है।

भारत के महापुरुष **यशस्वी** हैं।

रमजान के महिने में **रोज़ा** का विधान है।

गिद्ध **लुप्त** होते जा रहे हैं।

हमें **लज्जित** होने वाला काम नहीं करना चाहिए।

लालच बुरी बात है।

सिर्फ परिश्रम से ही सफलता संभव है।

भारत तीनों ओर सागर से **वलयित** है।

भारत में चुनाव की **व्यवस्था** प्रशंसनीय है।

दूसरों पर **शिकायत** न करें।

अध्यापकों के लिए सूचना

यहाँ पर शब्दों के अर्थ व उनके वाक्य प्रयोग दिये गये हैं। अतः बच्चों को अर्थ समझाने के लिए और अधिक वाक्य प्रयोग सिखाइए।



मेरा कर्मा तू-मेरा धर्मा तू..

मेरा कर्मा तू, मेरा धर्मा तू
तेरा सब कुछ मैं, मेरा सब कुछ तू...
हम्म आ आ...

हर करम अपना करेंगे,
ऐ वतन तेरे लिए।
दिल दिया है,
जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए.. ॥ 2 ॥

तू मेरा कर्मा, तू मेरा धर्मा,
तू मेरा अभिमान है।
ऐ वतन महबूब मेरे तुझपे दिल कुर्बान है
हम जियेंगे और मरेंगे, ऐ वतन तेरे लिए
दिल दिया है जान भी देंगे...

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई,
हम वतन हम नाम हैं ..
जो करे इनको जुदा मजहब नहीं इल्जाम है
हम जियेंगे और मरेंगे ऐ वतन तेरे लिए..
दिल दिया है जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए
आ आ....

तेरी गलियों में जलाकर नफ़रतों की गोलियाँ
लूटते हैं कुछ लुटेरे दुल्हनों की डोलियाँ
लूट रहे हैं आप वो आपने घरों को लूटते
खेलते हैं बेखबर अपने रंगों की होलियाँ ॥
हम जियेंगे और मरेंगे ऐ वतन तेरे लिए
दिल दिया है जान भी देंगे...

चलचित्र-कर्मा (1986)

गीतकार -आनंद बरुशी